RAF SECTOR

NEWS CLIP

29/12/19

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Dainik Jagran, Meerat (U.P)

अफसरों ने दिनभर छानी शहर की खाक, तब जाकर बनी बात

जागरण संवाददाता, मेरठः इस बार जुमे की नमाज के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। पुलिस और प्रशासन दोनों के अधिकारी दिनभर शहर की गलियों की खाक छानते रहे। लोगों से बात करके शांति विश्वास और सुरक्षा का संदेश दिया, तब कहीं जाकर शुक्रवार का दिन शांति से गुजर सका।

कमिश्नर अनीता सी मेश्राम ने हापुड़ अड्डा समेत शहर के तमाम संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करने का वादा किया, साथ ही अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। ऐसी अफवाहों की सूचना पुलिस को दें। सोशल मीडिया पर भी प्रसारित सूचनाओं की पहले पुष्टि करें। गलत सूचना फैलाने वालों को चिन्हित करके उनके नाम पुलिस को बताएं। उन्होंने पुलिस और प्रशासनिक अफसरों को भी निरंतर भ्रमणशील रहने का निर्देश दिया।

शुक्रवार को शहर में पुलिसबल पूरी तरह सतर्क रहा। इस दौरान छोटी सी हलचल पर भी नजर रखी जा रही थी • जागरण

जिलाधिकारी अनिल ढींगरा ने कमिश्नर और अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ बेगमपुल, भूमिया का पुल, शास्त्रीनगर एल ब्लाक, नौचंदी के शम्भूदास गेट, तिरंगा चौक, श्याम नगर, इस्लामाबाद, हापुड़ अड्डा, जलीकोठी, लालकुर्ती, भैंसाली बस अड्डा, ब्रह्मपुरी, फुटबॉल चौक आदि स्थानों पर भ्रमण किया। डीएम ने बताया कि उन्होंने पुराने शहर के कई इलाकों का पैदल ही भ्रमण किया और लोगों से बात की। उन्होंने बताया कि जनपद की कानून व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता है, जिसके साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। शांतिपूर्ण नमाज के लिए उन्होंने सभी का धन्यवाद भी दिया।

अलाव जलाकर बैठे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी • जागरण

शांति और सजगता की सुखद तस्वीर...

पिछले जुमे की नमाज के बाद कई शहरों में सीएए के विरोध में उपद्रव हुए। इस बार ऐसा न हो, इसके लिए शासन-प्रशासन ने तमाम जतन किए। इसी कड़ी में लखनऊ की टीलेवाली मस्जिद के सामने आरएएफ जवान तैनात थे। नमाज बीती और सब सामान्य रहा तो वो शांति और सजगता की सुखद तस्वीर को मोबाइल कैमरे में कैद करते नजर आए। रंगनाथ तिवारी • जागरण

Hindustan, Meerat (U.P)

जीता भरोसा : एक हफ्ते तक गली-मोहल्लों में पुलिस-प्रशासन ने लोगों के साथ की 90 से ज्यादा मीटिंग, हाईअलर्ट के बीच आम दिनों की तरह खुले बाजार

अफसरों ने दिया दोस्ताना माहौल तो पब्लिक का मिला साथ

मेरठ | वरिष्ठ संवाददाता

मेरठ के पुलिस-प्रशासन ने जनमानस में भरोसा जगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पांच दिन के भीतर 90 से ज्यादा बैठकें कीं। लोगों को भरोसा दिलाया कि निर्दोष नहीं उठाए जाएंगे। इसका असर यह रहा कि इस शुक्रवार को सामान्य दिनों की तरह बाजार खुले। हाईअलर्ट के बावजूद हर जगह चहल-पहल दिखी। रही-सही कसर इंटरनेट बंद होने ने पूरी कर दी। इससे तमाम अफवाहें रुक गईं।

20 दिसंबर को नागरिकता कानून को लेकर मेरठ में हिंसा हुई। इसमें छह लोग मारे गए। इस हिंसा के बाद मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में रहने वाले लोगों का पुलिस और प्रशासन से भरोसा टूट गया। ऐसे में अफसरों को आशंका थी कि इस जुमे पर फिर बवाल हो सकता है। जनता में टूटे भरोसे को फिर जोड़ने के लिए अफसरों ने पहल की। गली, मोहल्ले और गांवों में बैठकें कीं। मुस्लिम धर्मगुरुओं और उलेमा को बैठकों में बुलाया गया। मोअज्जिज लोग इन बैठकों में आमंत्रित किए गए। उन्हें भरोसा दिलाया कि निर्दोष जेल नहीं जाएंगे। जो भी कार्रवाई होगी, वह सम्भ्रांत नागरिकों को भरोसे में लेकर होगी। पिछले पांच दिनों में इस तरह की 90 से ज्यादा बैठकें की गईं। नतीजा यह रहा कि इस शुक्रवार को मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में बाजार रोजमर्रा की तरह खुले रहे। पुलिस ने हाईअलर्ट घोषित किया था। बावजूद इसके बाजारों में खूब चहल-पहल दिखी। जो असामाजिक तत्व माहौल खराब करना चाहते थे, वे इंटरनेट बंद होने से कुछ नहीं कर सके। अफवाहें रुक गईं। पूरे जिले में जुमे की नमाज शांतिपूर्ण संपन्न हुई। अफसरों का व्यवहार भी पब्लिक फ्रेंडली दिखा।

कोतवाली स्थित जामा मस्जिद पर लोग एएसपी रणविजय सिंह के साथ फोटो खिचवाते दिखाई दिए। डीएम और एसपी सिटी स्थानीय वरिष्ठ लोगों के साथ खुली जीप में घूमते रहे। हापुड़ अड्डा पर स्थानीय लोगों ने कमिश्नर अनीता सी.मेश्राम, आईजी आलोक सिंह, डीएम अनिल ढींगरा, एसएसपी अजय साहनी समेत अन्य अफसरों को गुलाब के फूल भेंट किए। अफसरों ने जब फ्रेंडली माहौल दिया तो पब्लिक ने भी उनका भरपूर साथ दिया।

हापुड़ अड्डा पर बच्चे ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से हाथ मिलाया तो अफसरों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई।

अयोध्या और धारा 370 में अपनाया था यही फार्मूला

अयोध्या प्रकरण और धारा-370 पर फैसले के वक्त भी पुलिस-प्रशासन ने फ्रेंडली माहौल अपनाया था। गली-मोहल्लेवार बैठकें की थी। लेकिन 20 दिसंबर को नागरिकता कानून के वक्त यह माहौल नहीं दिखा। अधिकारियों और पब्लिक में दूरियां बढ़ी तो हिंसा होती चली गई। अफसरों ने हिंसा से सबक लिया और लोगों से नजदीकियां बढ़ाई। नतीजा, शुक्रवार को सबकुछ समान्य रहा।

अधिकारियों के मोबाइल पर गूंजने लगे संदेश- सर! सब कुछ शांत है

मेरठ। सर, सब कुछ शांत रहा। नमाज हो चुकी है। लोग अपने घरों को जा रहे हैं। यह सुनने के बाद पुलिस, प्रशासन ने राहत की सांस ली, साथ ही निर्देश दिए कि चार बजे तक कोई अपनी जगह न छोड़े। चार बजे तक भी जब स्थिति शांतिपूर्ण रही तो शाम पांच बजे से इंटरनेट चालू करने का फैसला लिया गया। कमिश्नर, डीएम स्तर से तैनात सभी मजिस्ट्रेट को पल-पल की सूचना देने का निर्देश था। वैसे कमिश्नर, डीएम सभी लगातार राउंड ले रहे थे, लेकिन नमाज के दौरान गतिविधि अधिक तेज रही। वहीं अधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद शाम पांच बजे से डीएम ने इंटरनेट चालू करने के निर्देश दिए।

शुक्रवार को कोतवाली स्थित जामा मस्जिद पर जुमे की नमाज के बाद घर लौटते अकीदतमंद। • हिन्दुस्तान

Dainik Jagran, Lucknow (U.P)

नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में 19 दिसंबर को हुई थी आगजनी और तोड़फोड़

हिंसा में 4.50 करोड़ का नुकसान, वसूली के लिए 150 उपद्रवियों को भेजा नोटिस

जागरण संवाददाता, लखनऊ : नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में 19 दिसंबर को हुई हिंसा और उपद्रव में राजधानी में करीब 4.50 करोड़ रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। प्रशासन के मूल्यांकन में यह आंकड़ा सामने आया है। इस बीच आगजनी और तोड़फोड़ करने के आरोप में अब तक कुल 150 उपद्रवियों को नोटिस जारी किया गया है। कई और चिह्नित भी किए गए है।

राजधानी के चार थाना क्षेत्रों हजरतगंज, कैसरबाग, ठाकुरगंज और हसनगंज में उपद्रवियों ने तोड़फोड़ कर करीब 35 वाहनों को आगे के हवाले कर दिया था। इनमें दोपहिया, आटो, कार और ओबी वैन के अलावा एक रोडवेज बस भी थी। इसके अलावा हसनगंज थाना क्षेत्र के मदेयगंज और ठाकुरगंज की सतखंडा चौकी को आग के हवाले कर दिया गया। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने अपर जिलाधिकारी विश्वभूषण मिश्र के नेतृत्व में टीमें बनाकर हुए नुकसान का मूल्यांकन करने के निर्देश दिए थे। जिलाधिकारी के मुताबिक प्रशासन को अब तक हुए नुकसान की रिपोर्ट मिली है। जिलाधिकारी के मुताबिक अब तक कुल 150 उपद्रवियों को नोटिस जारी किया जा चुका है। जवाब मिलने के बाद रिकवरी के लिए नोटिस जाएगा। अगर तय समय पर नहीं जमा किया तो फिर संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई होगी। किसी भी उपद्रवी को बख्शा नहीं जाएगा। संबंधित सामग्री >> 5

नागरिकता संशोधन कानून के विरोध की आशंका को देखते हुए शुक्रवार को पुलिस-प्रशासन सतर्क रहा। जुमे की नमाज के दौरान पुराने लखनऊ स्थित घंटाघर के पास आरएएफ के जवान तैनात रहे • जागरण

- कई बवाली चिह्नित राजस्व बकाये की तरह होगी वसूली
- नहीं जमा करने पर प्रशासन करेगा कुर्की की कार्रवाई

04 थाना क्षेत्रों-हजरतगंज कैसरबाग, ठाकुरगंज और हसनगंज में हुआ था उपद्रव

35 वाहनों को आग के हवाले किया गया था, मदेयगंज चौकी भी फूंक दी थी उपद्रवियों ने

6 राजधानी के सभी थाना क्षेत्रों में हुए नुकसान का मूल्यांकन पूरा हो गया है। जल्द ही वसूली की प्रक्रिया शुरू होगी। विश्वभूषण मिश्र, नोडल अधिकारी

सख्ती का दिखा असर हर तरफ रही शांति

जेएनएन, लखनऊ/नई दिल्ली : सीएए के विरोध को देखते हुए शुक्रवार को उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर, बंगाल, झारखंड और मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, जिसके चलते ज्यादातर जगहों पर शांति रही। सख्ती का असर साफ दिखा। दिल्ली में जामा मस्जिद के पास जहां कुछ समय के लिए प्रदर्शन किया गया। गौरतलब है कि पिछले शुक्रवार को जामा मस्जिद पर होने वाला प्रदर्शन हिंसक हो गया था। उत्तर प्रदेश के 22 जिलों में तो हिंसा के दौरान 19 की जान चली गई थी। संबंधित सामग्री >> 11

Dainik Jagran Meerat (U.P)

हाई अलर्ट के बीच पूरी तरह तैयार थी फोर्स

मेरठ | मुख्य संवाददाता

गुरुवार रात से ही पुलिस फोर्स को हाई अलर्ट पर रखा गया था। शुक्रवार को दिन निकलने के साथ शहर में हिंसा प्रभावित इलाकों में आरएएफ, पीएसी और आरआरएफ को तैनात कर दिया गया। दंगा नियंत्रण स्कीम लागू की हुई थी और पुलिस बल बॉडी प्रोटेक्टर पहनकर तैयार था।

इंटेलीजेंस और पुलिस अधिकारियों के पास इनपुट था कि 27 दिसंबर को भी मेरठ को सुलगाने की साजिश है। पीएफआई और एसडीपीआई की साजिश का खुलासा होने के बाद पुलिस टीम ने वेस्ट यूपी में आठ साजिशकर्ताओं

की गिरफ्तारी भी की। इन सभी पर हिंसा भड़काने का आरोप है। इसके बाद पुलिस-प्रशासनिक टीम ने बवाल से निपटने के लिए पूरी तैयारी कर ली दंगा नियंत्रण स्कीम लागू कर दी गई शहर और देहात के हर थाने में थानेदार से लेकर सीओ को निर्देशित किया गया कि असलाह की ठीक से जांच करा लें।

Rashtriya Sahara, Muradabad (U.P)

उप्र के मुरादाबाद शहर के संवेदनशील इलाके में फ्लैग मार्च करते आरएएफ के जवान। फोटो : प्रेट्र

The Hindu, Aligarh (U.P)

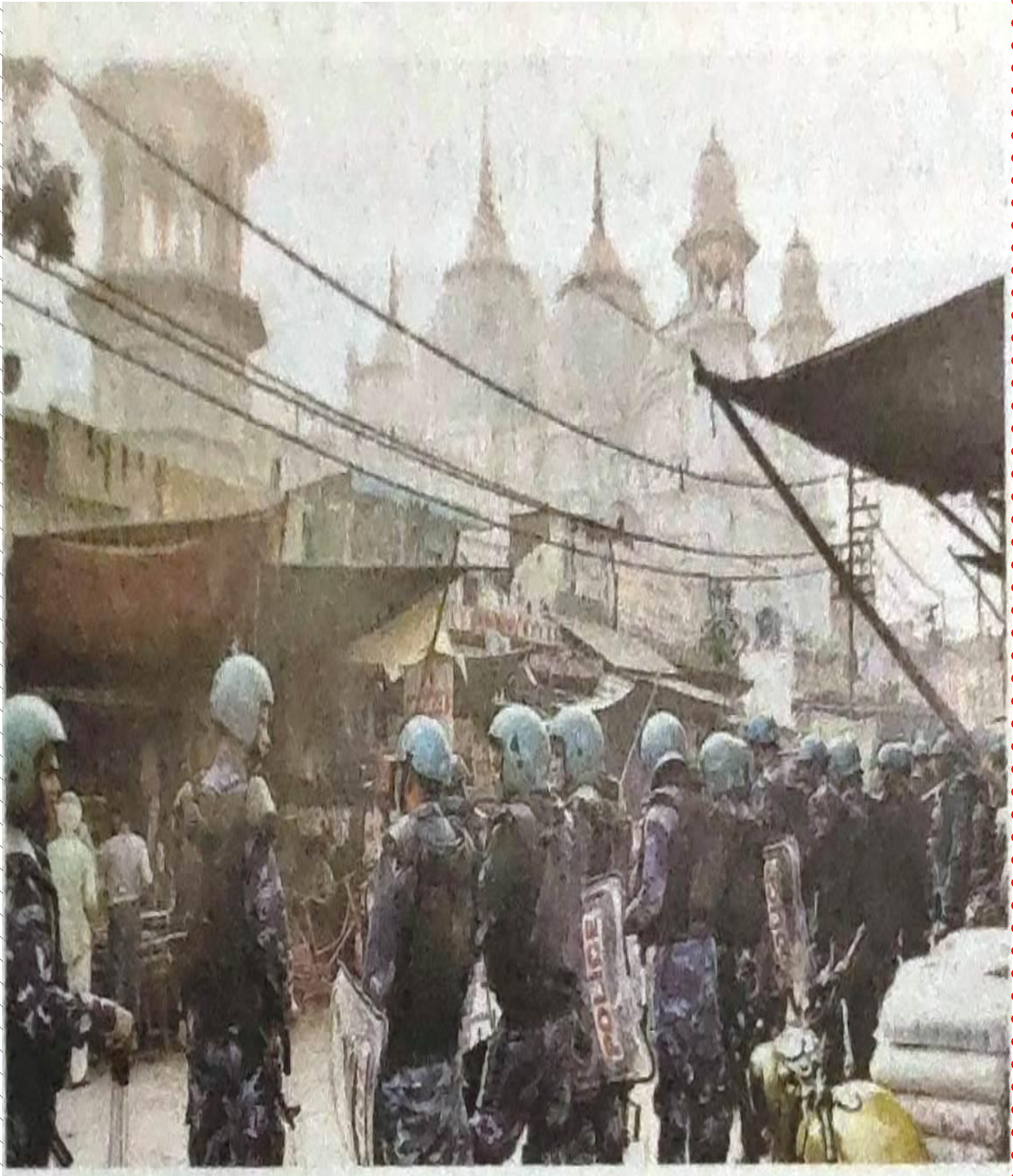

Tight security in Aligarh on Friday. ▪MANOJ ALIGADI

Rajasthan Patrika Ahmedabad (GJ)

अहमदाबाद के जमालपुर क्षेत्र में सीएए के विरोध में पिछले दिनों हुए पथराव व हिंसा के बाद शुक्रवार को भी गश्त लगाते आरएएफ के जवान। शहर के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी पुलिसकर्मी व आरएएफ के जवान तैनात रहे।

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।